



CB
27/3/86

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 509]

नई दिल्ली, दृष्टिवार, नवम्बर 21, 1985/कार्तिक 30, 1907

No. 509] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 21, 1985/KARTIKA 30, 1907

इस भाग में खिल पृष्ठ तक्षण ही चली है जिससे कि यह भाग तोकल के लिए रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

शिव्य मंदिर
(राजस्व विभाग)
नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 1985
बधिसूचना
म. 339/मीमा-शुल्क/85

संप्रवर्तन करने के लिए किया जाए, मीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) को पहलो अनुसूची के अधीन उस पर उद्घरणीय भूमूर्ति सीमाशुल्क और पश्चात्कर्त्ता वर्णन अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्घरणीय अतिरिक्त शुल्क से, यदि कोई हो, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देनी है, अर्थात् :—

- (1) आयातकर्ता को उस जोन में विनिर्माण करने वाले एक यूनिट या यूनिटों को स्थापित करने के लिए प्राधिकृत किया जाया है;
- (2) आयातकर्ता को माल का आयात करने के लिए आवश्यक अनुजप्ति मंजूर का गई है;
- (3) आयातकर्ता जोन के विकास आयुक्त का यह समाधान कर देता है कि इस प्रकार आयातित माल का उपयोग भारत के बाहर नियन्त्र के लिए माल का उत्पादन करने वा भारत के बाहर माल का नियाति के लिए माल का उत्पादन या पैक करने वा माल के नियाति का संप्रवर्तन करने के संबंध में किया जाएगा;

(4) आयातकर्ता ऐसे प्ररूप में और ऐसों रूप के लिए, जो जोन के विकास आयुक्त द्वारा विहित की जाए, एक वंशपत्र निष्पादित करने के लिए करार करता है जिसमें वह निर्धारित बाध्यताओं का पालन करने और अन्य भागों के समय-साथ इन अवधिमूलन में अनुबंधित शर्तों का पालन करने के लिए स्वयं उनको आवद्ध करता है;

(5) आयातकर्ता करार करता है कि वह :

(क) माल जोन में नालगा और जोन के अन्दर उसका उपयोग, भारत के बाहर निर्यात के लिए माल का उत्पादन करने या भारत के बाहर माल का निर्यात के लिए माल का उत्पादन या पैक करने या माल के ऐसे निर्यात का संप्रवर्तन करने के संबंध में करेगा;

(ख) इस प्रकार उत्पादित या पैक किए गए सभी माल का यथा स्थित, भारत के बाहर निर्यात करेगा या कर्मकारों को प्रशिक्षण देने के ऐसे माल का उपयोग करेगा या ऐसे माल (या पैकेजों) का उक्त जोन में विक्रय करेगा;

(ग) ऐसे उत्पादन या पैक करने से प्रोद्भूत सभी अवधिमूलिकों का जोन के विकास आयुक्त द्वारा अनुमोदित रीति से निर्यात या व्यवन करेगा;

(6) आयातकर्ता माल के आयात, उपभोग और उपयोग का तथा उसके द्वारा किए गए निर्यात का समुचित लेखा रखेगा, और ऐसा लेखा समय-समय पर जोन के विकास आयुक्त को ऐसे प्ररूप में और ऐसों रूप से प्रस्तुत करेगा जो उक्त आयुक्त द्वारा अधिकृति को जाए।

(7) आयातकर्ता, मांग को जाने पर निम्नलिखित माल पर उत्पादित युनिक के बराबर रूप का संदाय करेगा, अर्थात् :—

(क) ऐसे माल पर जो ऐसा पूंजी माल है जिसके बारे में सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधान-प्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वह माल—

(i) जोन के अन्दर संस्थापित या अन्यथा प्रयुक्त किया गया है या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या बड़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जिसे सीमा-शुल्क कलक्टर अपना यह समाधान हो जाने पर कि जोन के भीतर उनका उपयोग न किए जाने या उक्त अवधि के भीतर उनका पुनः निर्यात

न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, पुनः निर्यात किया गया है;

(ii) जोन के भीतर संस्थापन या उपयोग के पश्चात् जोन के भीतर प्रतिधारित किया गया है;

(ब) ऐसी माल से जिस एने माल पर जिसके बारे में सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधान-प्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वह माल—

(i) भारत के बाहर निर्यात के लिए गाल के उत्पादन करने, या (जोन के भीतर) माल पैक करने, के संबंध में या ऐसे माल के निर्यात का संप्रवर्तन करने के संबंध में उपयोग किया गया है या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या बड़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जिसे सीमा-शुल्क कलक्टर अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर उनका उपयोग न किए जाने का उपयोग किया गया है, अनुज्ञात करे, पुनः निर्यात किया गया है;

(ii) भारत के बाहर निर्यात करने के लिए गाल या उत्पादन करने या पैक करने के संबंध में या माल के निर्यात का संप्रवर्तन करने के संबंध में जोन के भीतर प्रतिधारित किया गया है,

(ग) इस प्रकार उत्पादित या पैक किए गए ऐसे माल पर जिसे भारत के बाहर निर्यात नहीं किया गया है या ऐसे अप्रयुक्त माल पर (जिसके अन्तर्गत ऐसे खालों छाँचे (कोन), फिरकी और पाल, यवि कोई हो, आते हैं जो बारबार उपयोग के लिए उपयुक्त हों) जो ऐसे माल के निर्यात की तारीख से एक वर्ष को अवधि के भीतर या बड़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जिसे सीमा-शुल्क कलक्टर अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर ऐसे माल का निर्यात न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, निर्यात नहीं किया गया है;

(8) सीमा-शुल्क कलक्टर, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो वह अधिरैपित करे, किसी आयातित माल या उनसे उत्पादित या पैक किए गए माल को मरम्मत, प्रसंस्करण या प्रवर्णन करने के लिए, शुल्क के संदाय के बिना, अस्थाई रूप से जोन

से बाहर ले जाने की आज्ञा दे सकेगा और आयातकर्ता ऐसी शर्तें और निर्भवत्त्वों का पासन करने के लिए आवश्यक होंगे :

(9) सीमाशुल्क कलक्टर के समाधान के अधीन रहते हुए, निम्नलिखित माल को बाबत शुल्क उद्घटणीय नहीं होगा, अर्थात् :—

(क) ऐसा माल जो आयातकर्ता, उसके कर्मचारी या अधिकर्ता के जानबूझकर किए गए कार्य, उपेक्षा या व्यक्तिक्रम के कारण से अन्यथा छोड़ या नष्ट हुआ है;

(ख) ऐसा माल जिसका आयातकर्ता, उसके कर्मचारी या अधिकर्ता के जानबूझकर किए गए किसी कार्य, उपेक्षा या व्यक्तिक्रम के कारण से अन्यथा नुकसान या अवक्षयण हुआ है और इसलिए जोन के भीतर माल के उत्पादन या पैक किए जाने के लिए प्रयत्न के लिए उपयुक्त नहीं है;

(ग) ऐसे उत्पादन के अनुक्रम में उत्पन्न होने वाला स्कैप या अपरिणिष्ट पदार्थ, यदि ऐसा स्कैप या अपरिणिष्ट पदार्थ ऐसी सीमा के भीतर है, जो केन्द्रीय सरकार इस नियमित विनियोग करे और जो जोन के भीतर नष्ट किया जाए;

(घ) जोन में उत्पादित या पैक किए गए माल के ऐसे नमूने जिन्हें सीमाशुल्क कलक्टर, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह इस नियमित विनियोग करे, पराक्रम के दौरान उपयुक्त हो जाए;

(ङ) जोन के भीतर अध्ययन या डिग्रेशन के लिए आयातित माल के नमूने, जो विनियोग संक्रियाओं के दौरान टूट गए हैं आरंभिक वागिन्यक मूल्य सुच्छ हो गया है;

(च) ऐसा माल, जिसका जोन के भीतर कर्मचारों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रयोग किया जाए या जोन के भीतर किसी मन्त्रालय की अधिनूचता सं. 14/12/82 ई.पा. जैड, तारीख 4-4-1984 वारा नियुक्त नौजवान नियत को गई प्रशिक्षण से अधिक है तो मूल माल पर, जिससे स्कैप या अपरिणिष्ट पदार्थ प्रोद्भूत हुआ है, उद्ग्रहणाय गुरुत्व के बराबर गुरुत्व, ऐसी आधिक मात्रा पर प्रवारोपण किया जाएगा।

नियति का संप्रवर्तन करने के संबंध में प्रयोग किया जाएगा ;

(छ) जोन के भीतर विनियमित माल जो मरम्मत, प्रसंस्करण या प्रदर्शन के लिए अस्थाई रूप में जोन में बाहर ले जाने के लिए अनुमति किया जाता है।

2. निम्नलिखित माल की बाबत, नियति के रूप में पूर्ववर्ती पैरा को शर्त (6) के अधीन लेखा देने की अपेक्षा नहीं की जाएगी, अर्थात् :—

(क) (i) ऐसा माल जिसका आयातकर्ता, उसके कर्मचारी या अधिकर्ता के जानबूझकर किए गए किसी कार्य, उपेक्षा या व्यक्तिक्रम से अत्यधीन नुकसान या क्षय हुआ है और इसलिए जो जोन के भीतर उत्पादन में प्रयोग के लिए उपयुक्त नहीं है, यदि ऐसा माल जोन के भीतर नष्ट किया जाता है या भारत के किसी अन्य भाग में प्रयोग के लिए, ऐसे शुल्क के बराबर संदाय करने पर जो जात पर उद्ग्रहण होता है यदि माल ठोक दसा में आयातित किया गया होता, जिसकी जोन से निकासी की जाती है, या

(ii) जोन के भीतर जात के उत्पादन के दोरान प्रोद्भूत ऐसा स्कैप या अपरिणिष्ट पदार्थ यदि वह जोन के भीतर नष्ट किया जाता है या भारत के किसी अन्य भाग में प्रयोग के लिए, ऐसे शुल्क के बराबर संदाय करने पर जो माल पर उद्ग्रहण होता है यदि उन क्षमा में जापानीता होता तो यह होता जिसकी जोन से निकासी को जाती है;

परन्तु यदि उक्त माल के उत्पादन या पैकिंग के अनुक्रम में प्रोद्भूत स्कैप या अपरिणिष्ट पदार्थ को प्रतिशतउत्तर भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिनूचता सं. 14/12/82 ई.पा. जैड, तारीख 4-4-1984 वारा नियुक्त नौजवान नियत प्रसंस्करण जोन बोर्ड वारा नियत को गई प्रशिक्षण से अधिक है तो मूल माल पर, जिससे स्कैप या अपरिणिष्ट पदार्थ प्रोद्भूत हुआ है, उद्ग्रहणाय गुरुत्व के बराबर गुरुत्व, ऐसी आधिक मात्रा पर प्रवारोपण किया जाएगा।

(ख) बार-बार उपयोग किए जाने वाला कानून, नियमित या पात्र, वितरण या वितरण ऐसे माल के भारत में आयात करने समय उत्तर पर उद्ग्रहणाय शुल्क के बराबर गुरुत्व का संदर्भ करके, भारत के किसी अन्य भाग में उनके उपयोग के लिए को जाती है;

(ग) जोन के भीतर जात के उत्पादन के अनुक्रम में निकासने वाली चिनियां, कागज, को कठारने

और अपशिष्ट पैकिंग सामग्री, जब उसे जोन के सीमाशुल्क कलकटर द्वारा इस नियमित विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के ननुसार किसी सीमाशुल्क अधिकारी के लघीकण में मष्ट किया जाता है।

3. इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट किसी वाहन के होने हुए भी,—

(क) इसमें दी गई छूट उस माल को भी लागू होगी जिसका भारत में आयात किए जाने पर जोन के भीतर उत्पादित या विनिर्मित या पैक किए गए उत्पाद-शुल्क माल के उत्पादन या विनिर्माण या पैकिंग के संबंध में उपयोग किया जाता है भले हो उनका भारत से बाहर निर्यात नहीं किया जाता, किन्तु भारत में किती अन्य स्थान की, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन ऐसे उत्पाद शुल्क माल पर उद्घग्नीय उत्पाद शुल्क का संदाय करके समय-समय पर यथासंशोधित आयात और निर्यातनीति मार्च, 1985 से अप्रैल, 1988 तक के लिए पुस्तक (जिल्ड 1) के उपांचंड 15 के अधीन और उसके अनुसार तथा ऐसी मात्रा तथा अन्य परिसीमाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए जो जोन के निर्यात आयुक्त द्वारा उस नियमित विनिर्दिष्ट का जाए, ले जाया जाता है।

(ख) इसमें दी गई छूट उस माल को भी लागू होगी जिसका भारत में आयात किए जाने पर जोन के भीतर उत्पादित या विनिर्मित या पैक किए गए उत्पाद शुल्क भाव है, उत्पादन या विनिर्माण या पैकिंग के संबंध में उपयोग किया जाता है, और ऐसा उत्पाद शुल्क य माल, भले ही उसका भारत के बाहर निर्यात नहीं किया जाता, किन्तु इस प्रकार उत्पादित या विनिर्मित या पैक किए गए उत्पाद शुल्क य माल के पाव ग्रेडों को सामने तरु या ऐसी अन्य सीमा तक जो उक्त नोएडा निर्यात प्रसंस्करण और बोड़ द्वारा नियन्त्रित का गया है अथवा उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 1 अधीन ऐसे उत्पाद शुल्क य माल पर उद्घग्नीय उत्पाद शुल्क का संदाय करके भारत में विनाश के लिए निरुत्तर किया जाता है।

4. इस अधिसूचना के प्रोत्तराय, गाजियाबाद स्थित नोएडा नियाति प्रसंस्करण जोन में के समाकिष्ट होने विनके

नीचे सर्वेक्षण संलग्नक नीचे दिए गए हैं और जो नीचे विनिर्दिष्ट सीमाओं से बिरा हुआ है।

खसरा संलग्नक/सर्वेक्षण संलग्नक ग्राम नगला भरण दास (जिला—गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश)

87, 88, 89, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 99, 100, 102, 166, 167, 180।

ग्राम नामन नोम ५८ (१५ नवंबर १९८८ दे.)

31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, जो नीएडा, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश राज्य में, अंतर्राष्ट्रीय विमान पत्तन, नई दिल्ली से 30 कि. मी. का दूरी पर स्थित हैं और 3.25 मोटर ऊंची 2.35 मोटर तक ईटों से बिनी बो जाए और उसके ऊपर 0.90 मोटर तक कंटोली तारों की बड़े बिरा हुए हैं, और जिन्होंने बिरा हुई दोबार की कुल लम्बाई, 2676.50 मोटर है, जो 194.00 मोटर सिवाई नाले की ओर, 997.10 मोटर नदों का ओर, 346.60 माटर, विद्युत उपकेन्द्र का बगल में, 720.50 मोटर सामने की ओर और 168 मोटर दो एस सो मार्ग से मुख्य द्वार तक का ओर तथा 244.50 माटर तक मुख्य द्वार से सिवाई नाले की ओर है।

उत्तर

क्रम सं. माल का कर्णन

1	2
1. नगला	

2. कच्चो सामग्री

3. संघटक

4. मणीनरा के फालतू पुर्जे

5. खाने वाली सामग्री

6. पैक करने की सामग्री

7. कार्यालय उपस्कर, फालतू पुर्जे और उनको खपते वाली सामग्री

8. विरेशी झेता के परिशान लेने में असफल होने के कारण या मरम्मत के लिए जोन ये नियाति का तारीख से एक वर्ष के भोतर पुनः अप्य लिना नाल

9. ओन्टर, जिंग, गेज, फिस्सवर और उपस्करन

10. विसास और विविदा के लिए आद्यप्रलप, तकनीकी और व्यापार नमुने

11. ड्राइंग, ब्लॉकिंग और चार्ट

[सं. सीमाशुल्क 85-का, सं. 305/37/85-एफ.टी.टी.]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 21st November, 1985

NOTIFICATION

No. 339-CUSTOMS/85

G.S.R. 858(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in the Annexure to this notification (hereinafter referred to as the goods), when imported into India for the production of goods for exports out of India or for being used in connection with the production or packaging of goods for exports out of India or for the promotion of such exports by units within the NOIDA Export Processing Zone at Ghaziabad (Uttar Pradesh) (hereinafter referred to as the Zone) comprising of places bearing the survey numbers and enclosed by the boundaries specified in paragraph 4 from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and the additional duty, if any, leviable thereon under section 3 of the second-mentioned Act, subject to the following conditions, namely :—

- (i) the importer has been authorised to establish a manufacturing unit or units in the Zone;
- (ii) the importer has been granted necessary licence for the import of goods;
- (iii) the importer satisfies the Development Commissioner of the Zone that the goods so imported will be used for the production of goods for exports out of India or in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of such exports of goods;
- (iv) the importer agrees to execute a bond in such form and for such sum as has been prescribed by the Development Commissioner of the Zone binding himself to fulfil the export obligations and to fulfil, inter-alia the conditions stipulated in this notification ;
- (v) the importer agrees . . .
 - (a) to bring the goods into the Zone and use them within the Zone for the production of goods for exports out of India or in connection with the production or packaging of goods for Export out of India or with the promotion of such exports of goods;
 - (b) to export out of India, all goods so produced or packaged or to use such goods for imparting training to workers or to sell such goods (or packages) within the Zone, as the case may be;

- (c) to export or dispose of in the manner approved by the Development Commissioner of the Zone all remnants arising out of such production or packaging ;
- (vi) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilisation of goods and of exports made by him, and shall submit such account periodically to the Development Commissioner, of the Zone in such form and in such manner as may be laid down by the said Commissioner ;
- (vii) the importer shall pay, on demand, an amount equal to the duty leviable;
- (a) on goods which are capital goods as are not proved to the satisfaction of the Collector of Customs to have been :—
 - (i) installed or otherwise used within the Zone or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them within the Zone or for not re-exporting them within the said period, allow;
 - (ii) retained within the Zone after installation or use inside the Zone;
- (b) on goods other than capital goods as are not proved to the satisfaction of the Collector of Customs to have been :—
 - (i) used in connection with the production or packaging of goods (within the Zone) for export out of India or with the promotion of such export of goods or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them or for not re-exporting them within the said period, allow;
 - (ii) retained within the Zone in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of such export of goods;
- (c) on goods so produced or packaged as have not been exported out of India and on unused goods (including empty cones, bobbins or containers, if any suitable for repeated use) as have not been exported, within a period of one year from the date of importation of such goods or within such extended period as the Collector of Customs may on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow;

- (viii) the Collector of Customs may, subject to such conditions and limitations as may be imposed by him, permit any goods imported or goods produced or packaged therefrom to be taken outside the Zone temporarily without payment of duty for repairs, processing or display and the importers shall be bound to comply with such conditions and limitations;
- (ix) subject to the satisfaction of the Collector of Customs, duty shall not be leviable in respect of the following goods, namely :—
 - (a) goods lost or destroyed not due to any wilful act, negligence or default of the importer, his employee or agent ;
 - (b) goods damaged or deteriorated not due to any wilful act, negligence or default of the importer, his employee or agent and therefore, not suitable for use in the production of goods or packaging within the Zone;
 - (c) scrap or waste material arising in the course of such production if such scrap or waste material is within such limits as may be specified in this behalf by the Central Government and destroyed within the Zone;
 - (d) samples of goods produced or packaged in the Zone which are allowed by the Collector of Customs to be sent for test outside the Zone subject to such conditions as he may specify in this behalf and which are consumed in the course of such test;
 - (e) samples of goods imported for study or design within the Zone, which in the course of manufacturing operations have been broken up and rendered insignificant in commercial value;
 - (f) goods used for imparting training to workers within the Zone or goods sold by a manufacturer within the Zone to another manufacturer inside the Zone subject to such conditions, and the execution of such bonds, as may be specified by the Collector of Customs for ensuring that the goods so sold will be used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of such export of goods ;
 - (g) goods manufactured in the Zone and which are allowed to be taken outside the Zone temporarily for repairs, processing or display.

2. The following goods will not be required to be accounted for under condition (vi) of the preceding paragraph by way of export namely :—

- (a) (i) goods damaged or deteriorated not due to any wilful act, negligence, or default of

the importer, his employee or agent and therefore not suitable for use in the production of goods within the Zone, if destroyed within the Zone or if cleared from the Zone for use in any other part of India on payment of the duty equal to that leviable on the goods if imported in sound conditions; or

- (ii) scrap or waste material arising in the course of production of goods within the Zone, if destroyed within the Zone or if cleared from the Zone for use in any other part of India on payment of the duty equal to that leviable on the goods if imported in that form :

Provided that if the percentage of scrap or waste material arising in the course of production or packing of the said goods exceeds the percentage fixed in this regard by the NOIDA Export Processing Zone Board appointed by the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 14(12)82-EPZ, dated the 4th April, 1984 the duty equal to that leviable on the mother material, out of which the said scrap or waste material has arisen, shall be charged on the excess quantity;

- (b) empty cones, bobbins or containers, suitable for repeated use, and cleared from the Zone for use in any other part of India on payment of the duty equal to that leviable on such goods at the time of their importation into India;
- (c) chindies, paper cuttings and the waste packing material arising in the course of production of goods within the Zone, when destroyed under the supervision of an officer of customs in accordance with the procedure specified in this behalf by the Collector of Customs of the Zone.

3. Notwithstanding anything contained in this notification.

- (a) the exemption contained herein shall also apply to those goods which on importation into India are used in connection with the production or manufacture or packaging of excisable goods produced or manufactured or packaged within the Zone and such excisable goods even if not exported out of India, but brought to any other place in India, under and in accordance with Appendix 15 of the Import and Export Policy Book for March, 1985 to April, 1988 (Volume I) as amended from time to time, and subject to the quantity and such other limitations and conditions as may be specified in this behalf by the Export Commissioner of the Zone on payment of duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).
- (b) the exemption contained herein shall also apply to those goods which on importation into India are used in connection with the production or manufacture or packaging of

excisable goods, being the excisable goods in the nature of rejects, produced or manufactured or packaged within the Zone and such excisable goods even if not exported out of India but are allowed to be sold in India upto a limit of five per cent of the excisable goods so produced or manufactured or packaged or such other limit as may be fixed by the said Noida Export Processing Zone Board, on payment of duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

4. For the purpose of this notification, the NOIDA Export Processing Zone at Ghaziabad shall comprise of the places bearing the survey numbers and enclosed by the boundaries specified below :—

Khasra Numbers/Survey Numbers

Village Bhagel Begam Pur (District Ghaziabad, U.P.)

87, 88, 89, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 99, 100; 102, 166, 167, 180.

Village Bhagel Begam Pur (District Ghaziabad, U.P.)

31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52.

In Noida District Ghaziabad, U.P. State at a distance of 30 Kms. from International Air Port, New Delhi enclosed by 3.25 metres high Boundary Wall consisting of 2.35 metres Brick Masonary, 0.90 metre barbed wire fencing over it, and total length of the enclosing boundary wall being 2676.50 metres comprising 194.00 metres in Irrigation Drain side, 997.10 metres on river side, 346.60 metres side adjoining the Electric Sub-station, 720.50 metres on the front side and 168.00 metres on the side from DSC Road to Main Gate and 244.50 metres from Main Gate to Irrigation drain.

THE ANNEXURE

Sl.	Description of goods
1.	2.
1.	Machinery.
2.	Raw Materials.
3.	Components.
4.	Spare parts of machinery.
5.	Consumables.
6.	Packaging materials.
7.	Office equipments, spares and consumables thereof.
8.	Goods re-imported within one year from the date of exportation from the Zone due to the failure of the foreign buyer to take delivery or for repairs.

1	2
9.	Tools, Jigs, Gauges, Fixtures and Accessories.
10.	Prototypes, technical and trade samples for development and diversification.
11.	Drawings, Blueprints and charts.

[Customs|85-F. No. 305|37|85-FTT]

अधिसूचना

सं. 340/85-संमा-शुल्क

सा.का.नि. 859(अ) :—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1985 (1985 का 32) को धारा 43 की उपधारा (4) के साथ पठित, संमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) को धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 158-संमा-शुल्क, तारीख 24 मई, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना को अनुसूची में, क. सं. 247 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क. सं. और प्रविष्टि अंतः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“248 सं. 339/85-संमा-शुल्क, तारीख 21-11-1985”

[का. सं. 305/37/85-एफ आई टी]

सुनील कुमार, अवर सचिव

NOTIFICATION

No. 340/85-CUSTOMS

G.S.R. 859(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 43 of the Finance Act, 1985 (32 of 1985), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 158-Customs, dated the 24th May, 1985, namely :—

In the Schedule to the said notification, after Serial No. 247 and the entry relating thereto, the following Serial No. and entries shall be inserted, namely :—

“248 No. 339/85-Customs, dated the 21st November, 1985”.

[F. No. 305/37/85-FTT]

SUNIL KUMAR, Under Secy.

